राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.पी.ए. प्रथम वर्ष नियमित/स्वाध्यायी पाठ्यक्रम

विषय कोड	क्रेडिट
EO-BMVI-101	3
क्लास रूम टिचिंग साप्ताहिक अवधि/घंटे	टोटल टिचिंग अवधि/घंटे
6	216

(खण्ड.ब) इलेक्टिव ओपेन सब्जेक्ट

केवल प्रायोगिक - स्किल डेवलपमेंट-

एन.एस.एस./एन.सी.सी./शारीरिक शिक्षा /योग/ फील्ड वर्क के साथ अपने विषय के अपोजिट विषय का चुनाव

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन + उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	80	100	33

शास्त्रीय संगीत गायन प्रायोगिक:- प्रदर्शन एवं मौखिक

उद्देश्य – • विद्यार्थियों को संगीतशास्त्र की प्रारम्भिक जानकारी उपलब्ध कराना।
• संगीत के पारिभाषिक शब्दों से अवगत कराना।
• अलंकारों एवं तालों का प्रारम्भिक परिचय ।

मौखिक:- **इकाई – 1**

संगीत, नाद, श्रुति, स्वर (शुद्ध, विकृत, चल, अचल), सप्तक (मंद्र, मध्य, तार), वर्ण, अलंकार (पल्टा), बोल (मिज़राब/जवा के बोल) प्रहार (आकर्ष, अपकर्ष) की जानकारी। दस थाटों के नाम व स्वर, लय (विलम्बित, मध्य, द्रुत), ठाह, मात्रा, ताल, विभाग, सम, ताली, खाली, ठेका, आवर्तन की जानकारी।

इकाई – 2

पंडित विश्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि व ताल–लिपि का ज्ञान। शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, चित्रपट संगीत, और लोक संगीत की संक्षिप्त जानकारी। गायन के परीक्षार्थियों के लिए तानपूरा तथा वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए अपने–अपने वाद्य का सामान्य परिचय तथा उनके विभिन्न अवयवों का सचित्र ज्ञान।

इकाई – 3

पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे, राजा मानसिंह तोमर स्वामी हरिदास, एवं तानसेन का जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

इकाई – 4

बिलावल एवं कल्याण थाट में अलंकारों का लेखन। त्रिताल, दादरा एवं कहरवा तालों का परिचय एवं ठाह सहित ताल–लिपि में लेखन।

प्रदर्शन:-

उद्देश्य – स्वरों का प्रारम्भिक अभ्यास**,** अलंकारों का गायन एवं वादन**,** अलंकारों का अभ्यास ।

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए– बिलावल एवं कल्याण थाटों में 10–10 अलंकारों का गायन।

(ब) स्वरवाद्य के परीक्षार्थियों के लिए – बिलावल एवं कल्याण थाट में 10–10 अलंकारों का वादन।

(स) राग यमन, बिलावल/अल्हैया बिलावल एवं भूपाली राग में एक–एक मध्यलय ख्याल**,सरगम गीत, लक्षण गीत** (तीन आलाप एवं तीन तानों सहित) ।

(द) पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर प्रदर्शन – त्रिताल, दादरा, कहरवा ।

संन्दर्भ ग्रन्थ-

1 संगीताजलि भाग 1
2 राग परिचय भाग 1

Syllabus Designed By Dr. Sanjay Kumar Singh

H.O.D